दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शनिवार 13 नवंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 46

महत्वपूर्ण एवं खास

सुप्रीम कोर्ट ने टाली लखीमपुर खीरी मामले की सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई टाल दी। दरअसल, यूपी सरकार ने कोर्ट से सुनवाई की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की। इस अपील को मानते हुए कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले पर 15 नवंबर को सुनवाई करेगी। लखीमपुर-खीरी मामले पर चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टि हिमा कोहली की बेंच सुनवाई कर रही है। इस मामले में यूपी सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से दरख्वास्त की कि कोर्ट उन्हें सोमवार तक का समय दे, ताकि वो केस पर काम पूरा कर सकें। इसके बाद कोर्ट ने उनकी अपील को स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर 8 नवंबर को सुनवाई की थी। तब उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि हमने 10 दिन का समय दिया था। इसके बाद भी स्टेटस रिपोर्ट में कुछ भी नही हैं। सिवाय इतना कहने के कि गवाहों से पूछताछ की गई है। कोर्ट ने कहा कि हिंसा के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन सिर्फ आशीष मिश्रा का ही फोन जब्त किया गया है। कोर्ट ने मामले में लैब रिपोर्ट के पेश न किए जाने पर भी नाराजगी जताई थी।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की 121 करोड़ से अधिक खुराकें उपलब्ध कराई गईं

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा बढ़ाने और टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीकों की सर्व-उपलब्धता का नया दौर 21 जून से शुरू किया गया है। टीकाकरण अभियान को अधिक से अधिक वैक्सीन की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की गई, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निशुल्क कोविड वैक्सीन प्रदान करके उन्हें समर्थन दे रही है। टीकों की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार वैक्सीन निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर उन्हें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा सभी प्रकार के स्रोतों से अब तक वैक्सीन की 121 करोड़ से अधिक खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सरकारी स्रोत (निशुल्क) और राज्यों द्वारा सीधी खरीद प्रक्रिया के जरिये प्रदान की गई हैं। राज्यों के पास वैक्सीन की 18.04 करोड़ से अधिक अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल की हुई खुराकें मौजूद हैं, जिन्हें लगाया जाना है।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को गैंग रेप मामले में उम्रकैद

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को चित्रकूट की रहने वाली नाबालिग लड़की के साथ गैंग रेप मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई. गायत्री के साथ दो अन्य आरोपी आशीष शुक्ला और अशोक तिवारी को भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई. पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति 18 मार्च 2017 में गिरफ्तार हुए थे. ये सभी लोग चित्रकूट की महिला व उसकी नाबालिक बेटी के साथ गैंगरेप के आरोप में गिरफ्तार हुए थे. असल में इस मामले में सुनवाई पूरी हो चुकी थी और दो दिन पहले ही कोर्ट ने सजा सुनाने के लिए आज की तारीख तय की थी. गैंगरेप और पॉक्सो एक्ट के तहत एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. कोर्ट ने इसके साथ उनपर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया. मामले में बीते दिनों कोर्ट ने चार आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है और चारों आरोपी जिला जेल से रिहा हो गए हैं. गायत्री प्रजापति, अशोक तिवारी और आशीष कुमार शुक्ला को महिला की नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप करने और महिला के साथ छेड़ाछड़ का दोषी पाया है.

दिल्ली सरकार ने एनबीसीसी पर लगाया 5 लाख का जुर्माना, वायु प्रदूषण पर सख्ती

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को बताया कि पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में एक परियोजना में धूल नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करने के मामले में राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड (एनबीसीसी) पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

गोपाल राय ने शुक्रवार से धूल रोधी अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की जो 12 दिसंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि हमने कड़कड़डूमा में एनबीसीसी की एक परियोजना का निरीक्षण किया और पाया कि कुछ स्थानों पर धूल नियंत्रण उपाय नहीं किए गए हैं। अतः कंपनी पर 5 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सभी सरकारी विभागों को धूल रोधी प्रकोष्ठ बनाने और धूल रोधी संयुक्त कार्ययोजना को अमल में लाने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ समन्वय में काम करने को कहा गया है।

दिल्ली-एनसीआर में धुंध और घनी- दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को स्मॉग और घनी हो गई तथा कई जगहों पर विजिबिलिटी 200 मीटर रही। राजधानी में नवंबर की शुरुआत से ही प्रदूषण के स्तर में वृद्धि देखने को मिल रही है। दिल्ली में दीपावली के बाद पिछले सात दिन से वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी में है।

दिल्ली में सर्दी का सितम शुरू, न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 12.6 डिग्री पर पहुंचा, धुंध ने भी बढ़ाई टेंशन।

न्यूनतम तापमान लुढ़का, धुंध और बढ़ी- दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के एक विश्लेषण के अनुसार, हर साल एक नवंबर से 15 नवंबर के बीच दिल्ली में लोगों को बेहद दूषित हवा में सांस लेनी पड़ती है। शहर में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 दर्ज किया गया। गुरुवार को एक्यूआई का 24 घंटे का औसत 411 था। सुबह नौ बजे फरीदाबाद में एक्यूआई 490 रहा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा में 476, गुरुग्राम में 418 और नोएडा में यह 434 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार सुबह नौ बजे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण कारक कण पीएम 2.5 की मात्रा 346 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी जो कि 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सुरक्षित सीमा से लगभग छह गुना अधिक थी।

पीएम 10 का स्तर 544 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के अनुसार, 48 घंटे या ज्यादा अवधि के दौरान, पीएम 2.5 का स्तर 300 माइक्रोग्राम से ज्यादा और पीएम 10 का स्तर 500 माइक्रोग्राम से अधिक होने पर वायु गुणवत्ता को आपातकालीन श्रेणी में माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में सुबह मध्यम स्तर का कोहरा छाया था और ठंड थी। दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और हवा की गति कम होने के चलते प्रदूषण कारक तत्वों की मात्रा अधिक रही।

सभी पात्र महिला सैन्य अधिकारियों को मिलेगा स्थायी कमीशन

» सेना को अवमानना की चेतावनी के बाद केंद्र का वादाः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला सैन्य अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने को लेकर सेना को अवमानना चेतावनी के बाद केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है। केंद्र ने कहा कि सभी पात्र महिला सैन्य अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया जाएगा। केंद्र ने शीर्ष कोर्ट से वादा किया कि उन 11 महिला सैन्य अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने पर शीर्घ निर्णय लिया जाएगा, जिन्होंने स्थायी कमीशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की शरण ली है। अक्तूबर में भारतीय सेना ने 39 महिला अधिकारियों को स्थायी (परमानेंट) कमीशन प्रदान किया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने सेना से इन अधिकारियों को एक नवंबर तक स्थायी कमीशन देने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्तूबर को सात कार्यदिवस के भीतर 39 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने यह आदेश तब दिया था जब केंद्र सरकार ने बताया था कि अदालती आदेश के तहत 71 सैन्य अधिकारियों में से 39 अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने के योग्य पाया गया है। न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने इन सभी 39 महिला सैन्य अधिकारियों को एक नवंबर तक स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए कहा था। 22 अक्तूबर को केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के बताया था कि स्थायी कमीशन के लिए 72 महिला आवेदकों में से एक ने खुद सेवामुक्त होने का निर्णय लिया है। बाकी 71 महिला अधिकारियों में से सात को चिकित्सकीय रूप से अनफिट करार दिया गया जबकि 25 अधिकारियों को अनुशासन सहित अन्य कारणों के कारण स्थायी कमीशन के योग्य नहीं माना गया है।

जय श्रीराम उद्घोष के साथ शुरू हुई चौदहकोसी परिक्रमा

» एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

अयोध्या (आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या के प्रसिद्ध चौदहकोसी परिक्रमा जय श्रीराम उद्घोष के साथ शुक्रवार को प्रातः 10:22 बजे के शुभ मुहूर्त में शुरू हो गई। यह परिक्रमा शनिवार को प्रातः 6:33 बजे तक चलेगी। माना जा रहा है कि इस बार लगभग 30 लाख रामभक्त देश के कोने-कोने से पहुंचकर परिक्रमा कर रहे हैं। परिक्रमा से पहले लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा चौदह कोसी, पंचकोसी परिक्रमा व कार्तिक पूर्णिमा मेला की व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत अयोध्या क्षेत्र भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया गया और लोगो से बात कर उनका हाल चाल लिए एवं सुरक्षा ड्यूटी में लगे पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। परिक्रमा के दौरान सरयू घाट, रामजन्मभूमि, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, नागेश्वरनाथ आदि मंदिरों में दर्शन का तांता लगा हुआ है और समूची अयोध्या श्रीराम के जयकारे से गूंज रही है। चौदह कोस की यह परिक्रमा श्रद्धालु पैदल पूरी करते हैं। आस्था की डगर पर नंगे पांव चलते हैं। परिक्रमा का एक-एक पग जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्त करता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय के अनुसार, अयोध्या में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परिक्रमा मार्ग को पांच जोन में बांटकर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं।

बोल्डर गिरने से कन्नूर-बेंगलुरु एक्सप्रेस के 7 डिब्बे पटरी से उतरे, सभी यात्री सुरक्षित

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक में शुक्रवार तड़के करीब 3.50 बजे कन्नूर-बेंगलुरु एक्सप्रेस के 7 डिब्बे बेंगलुरू मंडल के टोप्पुरु सिवादी के बीच अचानक बोल्डर गिरने से पटरी से उतर गए. दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बताया कि ट्रेन में सवार सभी 2348 यात्री सुरक्षित हैं, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. कन्नूर-बेंगलुरु एक्सप्रेस केरल के कन्नूर से गुरुवार शाम छह बजकर पांच मिनट पर रवाना हुई थी.

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिनेश बाबू, सेलम डिव ने दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर सभी कोचों की जांच की है. किसी भी यात्री को चोट या कोई यात्री घायल नहीं हुआ है. रेलवे ट्रैक से बोल्डर हटाने का काम शुरू हो गया है. मदद के लिए बेंगलुरु, होसुर, धर्मपुरी में हेल्पडेस्क खोला गया है. बेंगलुरु और यशवंतपुर स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क खोला गया है.

यात्रियों के लिए चाय, नाश्ता, पानी की व्यवस्था की गई है. वहीं यात्रियों के लिए बसों की व्यवस्था की गई है और उन्हें भेजा जा रहा है. सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं. होसुर 04344-222603, धर्मपुरी 04342-232111, बेंगलुरु 080-22156554. ट्रेन संख्या 07316 सेलम-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल को रद्द कर दिया गया है.

मंडलीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) बेंगलुरु श्याम सिंह समेत अधिकारियों का एक दल एक डॉक्टर के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा. दल के साथ दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) और चिकित्सा उपकरण वैन भी मौके पर पहुंची. डीआरएम, सलेम के नेतृत्व में एक और दल इरोड से एआरटी के साथ पहुंचा. विज्ञप्ति में कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं.

सीतारमण 15 नवंबर को मुख्यमंत्रियों, केन्द्र-शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों और राज्यों के वित्त मंत्रियों से बातचीत करेंगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उन राज्यों के वित्त मंत्रियों और केन्द्र-शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ बातचीत करेंगी।

भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों के सचिव, राज्यों के मुख्य सचिव और वित्त सचिव भी इस सम्मेलन में शामिल होंगे।

कोविड-19 महामारी के दौरान विकास की गति धीमी हो गई थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के बाद, अर्थव्यवस्था में फिर से तेआई है और उसके उबरने के सकारात्मक संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे

रहे हैं। अर्थव्यवस्था के कई संकेतक अब महामारी से पहले के स्तर पर लौट आए हैं। आईएमएफ और विश्व बैंक के अनुमानों में भारत के जीडीपी में वृद्धि क्रमशः लगभग 9.5 प्रतिशत और 8.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद की गई है, जोकि सबसे तेसे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

निवेशकों की धारणा भले ही अच्छी है, लेकिन पहले से तेपकड़ चुकी गति को भुनाने की जरूरत है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले चार महीनों में ही 64 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हो चुका है। भारत सरकार (जीओआई) ने अपने केन्द्रीय बजट 2021-22 में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर, बाधाओं को दूर कर और आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर विदेशी पूंनिवेश के प्रवाह को और बढ़ावा दिया है।

वित्त मंत्री राष्ट्र के लिए एक विकास के सहयोगात्मक दृष्टिकोण को अपनाने और देश में निवेश के माहौल को बढ़ावा देने पर केन्द्रित विचारों के खुले आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना चाहती हैं। बातचीत की यह परिकल्पना एक नीतिगत संवाद और आवक निवेश-आधारित विकास के लिए एक सुविधाजनक वातावरण बनाने का प्रयास करेगी। यह बातचीत निवेश को बढ़ावा देने से संबंधित एक सक्रिय दृष्टिकोण, व्यवसाय करने में आसानी से जुड़े सुधारों द्वारा लाई गई दक्षताओं और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के स्तर तक अनुमोदन एवं मंजूरी में तेलाने पर जोर देने में सक्षम होगी।

इस बातचीत के माध्यम से, विभिन्न राज्य निवेश के माहौल को बढ़ावा देने से संबंधित अपने विचारों और दृष्टिकोण को साझा कर सकते हैं ताकि भारत को सबसे तेसे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनानेकी दिशा में अपनाए जाने वाले रास्तों के बारे में एक व्यापक सहमति बन सके।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का 16 नवंबर को पीएम मोदी करेंगे लोकार्पण

लखनऊ (आरएनएस)। प्रदेश सरकार की महात्वाकांक्षी परियोजना पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जल्द ही जनता को समर्पित होने वाला है। 42 हजार करोड़ रुपए की लागत से बने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का 16 नवंबर को लोकार्पण होगा। इस शानदार परियोजना का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे। शासन ने उनका कार्यक्रम लगभग फाइनल कर दिया है। योगी सरकार और उनके अफसरान इस लोकार्पण की तैयारियों में जुटे हैं।

वी/ओ-एक्सप्रेस-वे परियोजना का तोहफा उत्तर प्रदेश की जनता को कार्तिका मास की एकादशी 16 नवंबर को मिलेगा। सुल्तानपुर जिले में कूरेभार के अरवलकीरी करवत ग्राम पंचायत में एक्सप्रेस-वे पर बनी एयर स्ट्रिप पर उद्घाटन कार्यक्रम तय हो गया है। प्रशासनिक, पुलिस विभाग के साथ यूपीडा के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।यह एक्सप्रेस-वे जनपद लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ तथा गाजीपुर से होकर निकला है।

अस्पताल में दूसरे ग्रुप का खून चढ़ाने से महिला की मृत्यु

राउरकेला (आरएनएस)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक अस्पताल में एक 25 वर्षीय महिला को कथित रूप से गलत ग्रुप का रक्त चढ़ा दिया गया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी।

एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि कुतरा प्रखंड के बूड़ाकाटा गांव की रहने वाली सरोजिनी काकू को बृहस्पतिवार को राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज को सिकल सेल एनीमिया की समस्या थी और उसे खून चढ़ाया जाना था।

परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि महिला को गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ा दिया गया जिस वजह से उसकी मौत हो गयी। एक रिश्तेदार ने कहा, ''उनका ब्लड ग्रुप 'ओ' पॉजिटिव है, लेकिन उन्हें 'बी' पॉजिटिव ग्रुप का खून चढ़ा दिया गया।''

कुतरा थाने के निरीक्षक बी के बिहारी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को आगे जांच के लिए रखा गया है।

अस्पताल ने मुद्दे की जांच के लिए आयोग का गठन किया है और जो भी दोषी पाया गया, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

अस्पताल के अधीक्षक जगदीशचंद्र बहेरा ने लापरवाही की संभावना से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''अगर गलत ब्लड ग्रुप का मामला होता तो रोगी की 10-15 मिनट में मृत्यु हो जाती।''

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशियों की तस्करी, बीएसएफ ने रोका तो जवानों पर किया हमला

» फायरिंग में दो बांग्लादेशी घुसपैठिए ढेर

कोलकाता (आरएनएस)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर शुक्रवार तड़के तस्करों द्वारा मवेशियों को सीमा पार कराने के दौरान मुठभेड़ हुई. इस दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने मुठभेड़ में एक भारतीय सहित दो बांग्लादेशियों को ढेर कर दिया. ये घटना कूचबिहार के सेतई सतभंडारी गांव में हुई. मिली जानकारी के मुताबिक, 12 नवंबर को तड़के 3 बजे बांग्लादेश की तरफ से घुसपैठियों ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया. बांस की मदद से कैंटिलीवर बनाया और इसकी मदद से मवेशियों के सिर की तस्करी करने की कोशिश की.

सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों ने घुसपैठियों को पीछे लौटने की चेतावनी भी दी, लेकिन घुसपैठियों ने जवानों की चेतावनियों को अनसुना कर दिया और अपने काम में लगे रहे. इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठियों को रोकने के लिए गैर-घातक हथियारों का इस्तेमाल किया. लेकिन घुसपैठिये इसके बाद भी पीछे की ओर लौटने को तैयार नहीं दिखे. उन्होंने पीछे हटने के बजाय जवानों पर ही हमला कर दिया. घुसपैठियों लोहे की छड़ों और डंडों से जवानों पर हमला बोला. वहीं, अपनी जान पर बनने के बाद और खतरे को भांपते हुए बीएसएफ की यूनिट ने बदमाशों पर गोलियां चलाई.

जवानों ने गोलीबारी के बाद खोज अभियान चलाया. इस दौरान उन्हें सीमा पर लगे कंटीले तारों और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो अज्ञात घुसपैठियों के शव बरामद हुए. बीएसएफ ने बताया है कि इस मुठभेड़ में एक जवान भी घायल हुआ है, जिस पर डंडों से हमला किया गया था.

फिलहाल उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है. भारत-बांग्लादेश सीमा पर पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आती रही हैं, जहां घुसपैठियों ने मवेशियों की तस्करी करने की कोशिश की है. इस दौरान अक्सर ही घुसपैठियों और जवानों के बीच मुठभेड़ होती रही है.